nt>
Title: Need to take steps to control pollution in Delhi.

श्री गंगा चरण राजपूत (हमीरपुर) (उ.प्र.) : मैं सदन का ध्यान देश में बढ़ते हुए प्रदूषण की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। आज प्रदूषण दिल्ली महानगर की समस्या ही नहीं है बल्कि यह समस्या शहरों और कस्बों तक पहुंच गई है। आज दिल्ली गैस चैम्बर बन चुका है और दुनिया का सबसे अधिक प्रदूषित शहर है। यहां पर ७५ प्रतिशत प्रदूषण सिर्फ वाहनों से होता है। आज जो व्हाइट पेपर जारी किया गया है उसके अनुसार सल्फर डाईआक्साइड और नाइट्रोजन आक्साइड आबादी वाले क्षेत्र में ६० से ८० माइक्रो मिलीग्राम हो चुका है। इसी तरह कार्बन मोनो आक्साइड की मात्रा एक प्रतिशत हो चुकी है जिससे यहां ४५ फीसदी लोगों को सांस की बीमारी हो चुकी है, २५ फीसदी लोगों में टी.बी. की बीमारी के लक्षण पाए जा रहे हैं। इसी तरह और भी घातक बीमारियां फैल रही हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि जिस तरह व्हाइट पेपर में दिया गया है कि सन् दो हजार तक यदि इस पर रोक नहीं लगाई गई तो इसके भयंकर परिणाम यहां की जनता को भुगतने पड़ेंगे। मेरा कुछ सुझाव है कि हमें पांच से दस कि.मी. रेडियस में साइकिल का उपयोग करना चाहिए तथा बैटरीचलित वाहन चलाने चाहिए।

... (व्यवधान)

धुंआ फैलाने वाले पुराने वाहनों पर तुरंत रोक लगानी चाहिए, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करवाना चाहिए। बसों और ट्रकों में जो ओवर लोडिंग है उस पर तत्काल रोक लगानी चाहिए। धन्यवाद।